वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 171 | मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हाथ-मिलाओ, हग-करो और चरण स्पर्श थीम पर हुई फोटो प्रतियोगिता

मंजू बाघमार बोलीं- समाज और बच्चों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना जरूरी

जयपुर. कासं

आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण के उद्देश्य से पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी आफ इंडिया (पीआरएसआई), जयपुर चैप्टर द्वारा सोमवार को मानसरोवर स्थित वैदिक पीजी महाविद्यालय में हाथ बढ़ाओ, हग करो (गले मिलो) और चरण स्पर्श विषयक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह और एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन हुआ। विश्व जनसंपर्क दिवस पर प्रारंभ की गई फोटो प्रतियोगिता के लिए देशभर से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं। विजेता प्रतिभागियों को महिला एवं बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार और हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जन संचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मंजू बाघमार बोलीं- हम नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार ने कहा कि वर्तमान समय में हम नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। बड़ों को चरणस्पर्श करने में हमें झिझक महसूस होती है। भीड़ के बीच भी हम अपने आप को अकेला महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे परिदृश्य में जरूरतमंद के लिए हाथ बढ़ाना, गले लगाना और बड़ों का आशीर्वाद ही काम करता है। बाघमार ने पीआरएसआई, जयपुर चैप्टर के पदाधिकारियों को इतने अच्छे और समसामयिक विषय पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता करने की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के विषय से हम स्वयं को, अपने समाज और बच्चों को नैतिक मूल्य की शिक्षा दे सकते हैं। भारत की विश्व गुरु की संस्कृति को आत्मसात कर सकते हैं।

सुधि राजीव बोलीं- सोशल मीडिया के इस दौर ने समाज को कर दिया विघटित

हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुधि राजीव ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर ने समाज को विघटित कर दिया है। सोशल मीडिया की दुनिया में फॉलोअर्स और दोस्तों की भीड़ से घिरा व्यक्ति असल जिंदगी में अकेला और दुखी है। ऐसे में किसी को गले लगाना और दोस्ती का हाथ बढ़ाना वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि बड़ों के सम्मान से आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की थीम से सोच बदलेगी और भारतीय संस्कृति जीवंत होगी। कार्यक्रम को पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीरेंद्र पारीक, पूर्व अध्यक्ष कल्याण कोठारी, समन्वयक आशीष बक्शी, वैदिक पीजी महाविद्यालय की निदेशक मेधा सामवेदी महाविद्यालय के सचिव प्रो. घनश्याम धर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मंजू बाघमार, प्रो सुधि राजीव, जयपुर चैप्टर की उपाध्यक्ष श्रीमती कविता जोशी एवं अन्य अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वैदिक पीजी महाविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण भी किया।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता के ये रहे विजेता

चयनित प्रविष्टियों में प्रथम पुरस्कार प्रभा गुर्जर (जयपुर), द्वितीय पुरस्कार एग्रोनील मण्डल (शान्ति निकेतन - पश्चिम बंगाल), तृतीय पुरस्कार कीर्ति कंवर (हरिदेव जोशी जनसंचार पत्रकारिता वि.वि.), प्रशंसा पुरस्कार अनिशा कम्बोज (वनस्थली विद्यापीठ), सतीश मीणा (वैदिक कन्या महाविद्यालय, जयपुर) व नकुल चिंकारा (द्वारका दिल्ली) को दिए गए। वहीं 40 चयनित प्रविष्टियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

ग्रेटर निगम जयपुर

पांच बत्ती की सजावट राइजिंग राजस्थान थीम पर होगी

होर्डिंग पर एमओयू करती दिखेंगी कंपनियां

जयपुर. कासं। इस बार पांच बत्ती पर दिवाली की सजावट में राइजिंग राजस्थान की झलक दिखेगी। बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर विदेशी मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ सरकार को एमओयू करके रोजगार बढ़ाते प्रदर्शित किया जाएगा। यह निर्णय सोमवार को दीपावली के त्योहार पर रोशनी व सजावट की तैयारियों के संबंध में ग्रेटर नगर निगम, जयपुर के भवन समिति चेयरमैन जितेंद्र श्रीमाली और व्यापार मंडल एमआई रोड व जयपुर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में लिया गया। बैठक के बाद व्यापारियों और ग्रेटर निगम अधिकारियों के साथ एमआई रोड का दौरा किया गया। इस दौरान चेयरमैन ने पांच बत्ती से लेकर सांगानेरी गेट तक दीपावली की तैयारियों के तहत जल्द से जल्द सफाई, रोड लाइट व सड़क के गड्ढों को दुरुस्त कराने निर्देश दिए। व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश सैनी और श्रीमाली ने बताया कि इस बार पांच बत्ती पर राइजिंग राजस्थान की थीम पर सजावट की जाएगी। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह अन्य बाजारों का भी दौरा किया जाएगा।

पद्म पुराण आधारित रामायण का मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जगतपुरा महल योजना स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में रविषेणाचर्या द्वारा रचित आगम पद्मपुराण पर आधारित रामायण का मंचन किया गया। युवा मंडल द्वारा आयोजित नाटिका में सिद्ध परमेष्ठि भगवान श्री राम की सत्यनिष्ठा, कर्तव्य परायणता, आदर्श जीवन और वैराग्य का चित्रण किया गया। रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया, जिसमे वनवास के समय कुलभूषण देशभूषण आदि अनेक मुनियों तपस्वियों के उपसर्ग का निवारण, रावण पर विजय, मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में उनकी प्रतिष्ठा, और राम राज्य की स्थापना को दशार्या गया। उपस्थित दर्शकों ने इसे अत्यधिक सराहा और इसे धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा का उत्कृष्ट माध्यम माना।

टोंक के प्रकाश पटवारी जैन ने अब तक 06 लाख 95 हजार 616 णमोकार महामंत्र जाप्य लेखन कर लिया

टोंक. कासं। देव शास्त्र गुरु के परम भक्त व्यवहार कुशल प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी श्रदेय प्रकाश पटवारी ने अब तक06 लाख 95 हजार 616 णमोकार महामंत्र जाप्य लेखन कर लिया। उन्होंने अभी तकणमोकार लेखन कर हीरक एवं स्वर्ण पदक वर्ष 2015 से अब प्राप्त रहे इस वर्ष पटवारी ने 1,27,008 जाप्य लिखे है। श्री णमोकार महामंत्र बैंक जंबूद्वीप हस्तिनापुर मेरठ उत्तर प्रदेश के अंतर्गत णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति महावीर नगर जयपुर में महामंत्र लेखकों की जाप्य पुस्तके अध्यक्ष रतनलाल कोठारी, उपाध्यक्ष हरचंद जैन बड़जात्या, महामंत्री बाबूलाल जैन द्वारा जमा की गई। प्रकाश पटवारी जैन ने पारस जैन पार्श्वमणि को बताया कि टोंक में सोभागमल जैन अजमेरी वाले, त्रिलोकचंद जैन, मुकेश कुमार जैन बगड़ी वाले, राजीव जैन, श्रीमती कान्ता जैन जयपुरिया, श्रीमती मंजू जैन, श्रीमती नगीना जैन, श्रीमती संतरा जैन, श्रीमती हेमलता जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती मधुबाला जैन आदि णमोकार लेखन कर हीरक, स्वर्ण, एवं रजत पदक, प्राप्त कर रहे हैं। प्रकाश पटवारी जैन 2015 से अनवरत णमोकार लेखन में लगे हुए हैं प्रकाश हर बार हीरक एवं स्वर्ण पदक प्राप्त कर रहे हैं ।राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि अनादि निधन महामंत्र णमोकार प्राकृत भाषा में लिखा हुआ है संसार के सभी मंत्रो का सार णमोकार महामंत्र है। इस उपलब्धि पर प्रकाश पटवारी के उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करते हैं।

प्रस्तुतिः पारस जैन पार्श्वमणि कोटा राजस्थान

लाइक-कमेंट के चक्कर में मौत की रील

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज्यादा लाइक्स के चक्कर में खुद को जोखिम में डाल रहे हैं। कई युवा रील को रोचक बनाने के चक्कर में पानी के बीच उतर रहे हैं तो कई युवा टूटी दीवारों पर चढ़कर रील बना रहे हैं। वैसे तो रील्स बनाने का खुमार हर वर्ग के लोगों को है, लेकिन इसमें खासकर 16 से 40 वर्ष के युवा वर्ग में ये क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने या अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के जुनून में लोग इतने खो जाते हैं कि कुछ अलग हटकर दिखाने के चक्कर में खुद के साथ-साथ कई बार दूसरों तक की जान से खिलवाड़ कर डालते हैं। लोकप्रियता हासिल करने के लिए कभी कोई रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने पहुँच जाता है तो कभी कोई बहुमंजिला इमारत पर खड़े होकर वीडियो बनाता है। कभी वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, कभी सड़कों व चौक-चौराहों पर डांस, स्टंट करना, सिलीसेढ़ और बाँध पर खड़े होकर रील्स बनाना। कभी किसी पहाड़ पर खड़े होकर अजीब हरकतें करना। कहीं झरनों व जलाशयों के बीचोंबीच जाकर पानी में बेपरवाह मस्ती करते हुए रील्स बनाना। कभी रेलवे ट्रैक पर जाकर या प्लेटफार्म या चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर रील्स बनाना। रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्त्व का अहसास कराना चाहिए। टेलेंट है तो बहुत से विषय हैं रील बनाने केयदि किसी में टेलेंट है तो जान को जोखिम में डालने वाली रील बनाने की बजाय मोटिवेशनल, संगीत, नृत्य, तकनीकी ज्ञान, सेहत से जुड़ी टिप्स, धर्म, विज्ञान, फिटनेस, हास्य-व्यंग्य, खान-पान सहित सैकड़ों विषयों पर रील बनाकर ख्याति अर्जित कर सकता है। रील्स की बजाय अपने दोस्तों के साथ समय गुजारें मॉर्निंग वॉक के साथ व्यायाम करने में समय बिताएंरील्स देखने के कारण बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म के शिकार हो रहे हैं, उन्हें मोबाइल से दूर रखेंबच्चों के सामने कम से कम मोबाइल का इस्तेमाल करेंबच्चों को वक़्त दें, उनसे पारिवारिक बातें करें। फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए टेलेंट होना बहुत जरूरी है। यदि आपके अंदर टेलेंट है तो फॉलोअर्स अपने आप ही बढ़ जाएंगे। यदि युवा ट्रैक पर खड़े होकर रील बना रहे है तो बहुत गलत है। इससे दूसरे बच्चों पर भी गलत असर पड़ेगा। रील बनाने वालों के साथ उनकी वीडियो देखने वालों की भी मूर्खता है। इनका विरोध करना चाहिए। युवा जल्दी फेमस होने के लिए रील बना रहे हैं, जोकि बहुत गलत है। मैं कई जगह रेलवे ट्रैक और फ्लाई ओवर पर रील बनाते हुए युवाओं को देखता हूँ। उन्हें रील बनानी है तो सबसे पहले सुरक्षित जगह चुनें। बच्चे रेलवे ट्रैक या फिर रिस्क वाली जगह पर रील बना रहे हैं तो माता-पिता को इन पर निगरानी रखनी चाहिए। सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। युवा फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एक-दूसरे की देखादेखी कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता होता कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्हें वास्तविकता का पता नहीं है। बच्चे अपने माता-पिता की बात नहीं मानते हैं। जो उम्र पढ़ने की होती है उसमें रील बना रहे हैं। रिस्क भी ज्यादा लेते हैं। ऐसे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की भी काउंसिलिंग की जरूरत है। युवाओं के साथ-साथ अब छोटे बच्चों में भी मोबाइल पर रील्स बनाने की आदत होने लगी है। बच्चे घर पर अकेले रहते हैं सोशल मीडिया का अट्रैक्शन है। सबको अच्छा लगता है कि उन्हें लोग पसंद करे, तारीफ करें। इससे बचने का यही उपाय है कि बच्चों को मोबाइल का प्रयोग कम करने दे। मोबाइल देखते समय बड़े उनके साथ ही रहें, जिससे वह कुछ गलत ना कर सके।

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

अग्रवाल समाज सांगानेर का भजन संध्या और सामुहिक गोठ

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक रोड स्थित जमुना गार्डन में अग्रवाल समाज सांगानेर की गोठ, भजन संध्या और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन अग्रसेन जयंती समारोह के अंतर्गत हुआ। समिति के महा सचिव योगेन्द्र गुप्ता ने बताया कि शाम को श्री मयूर भजन मंडल के तत्वावधान में विशाल भजन संध्या के साथ सांगानेर अग्रवाल समाज बंधुओं की सामुहिक गोठ का आयोजन भी हुआ।भजन संध्या में लोगो ने बहुत प्यारा लुफ्त उठाया और सभी अग्र बंधुओ को झूमने पर विवश कर दिया। महाराजा अग्रसेन के साथ भगवान कृष्ण का दरबार सजाया गया ,कृष्ण भगवान की मूर्त रुप में मंजू अग्रवाल ने लोगो को रिझाया इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

Rotary DISTRICT 3056 THE MAGIC OF ROTARY

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

DONATE BLOOD

ROTARY CITIZEN BLOOD DONATION CAMP

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप 20 से 23 अक्टूबर 2024 तक 10 रक्तदान शिविर

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर स्थल
	दिनांक	समय		
1.	20 अक्टूबर	प्रात: 8 से 4 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	गली नम्बर 6, बरकत नगर, जयपुर
2.	20 अक्टूबर	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर कॉलेज	सी-स्कीम, जयपुर
3.	20 अक्टूबर	प्रात: 9 से 3 बजे तक	सेंक्टम एकेडमी आमेर	सेंक्टम एकेडमी आमेर, जयपुर
4.	21 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	एस डी एम एच ब्लड बैंक	एस डी एम एच ब्लड बैंक, जयपुर
5.	21 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	सुप्रीम हाईट्स	गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर
6.	21 अक्टूबर	प्रात: 9 से 2 बजे तक	बेबीलोन होस्पिटल	311, आदर्श नगर, जयपुर
7.	22 अक्टूबर	प्रात: 9 से 1 बजे तक	ए आर एल इंफ्राटेक लिमिटेड	गांव धामी खुर्द, बगरू, एन एच 8, अजमेर हाइवे, जयपुर
8.	22 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	आकृति लेब	गांधी नगर मोड़, टोंक रोड, जयपुर
9.	22 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	ग्लोबल हर्ट एंड जनरल हॉस्पिटल	वेशाली नगर, जयपुर
10.	23 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी	प्लॉट नं. आईएस 2036-2039, रामचंद्रपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, सीतापुरा

Rtn. Dinesh Mitu Jain Baj, President | Rtn. Sudhir Sangeeta Godha, Charter President | Rtn. Narendra Seema Mittal, Secretary | Rtn. Neeraj Archana Kala, Treasurer

CHAIRMAN
Rtn. Amit-Sonil Agarwal

वेद ज्ञान

प्रकृति की तरह जो चीज सरल रहती है, वही सत्य

प्रकृति अत्यंत सरल है। इसकी समस्त क्रियाएं बड़ी सरलता के साथ होती हैं। सूर्य का उदय होना, तारों का टिमटिमाना और नदियों का निरंतर बहना आदि कुदरती क्रियाएं होती रहती हैं। वृक्ष फलते-फूलते हैं, रात के बाद दिन आता है, पर्वत-चट्टानें स्थिर हैं। वस्तुतः प्रकृति जटिलताओं का उद्गम-स्नोत नहीं है, उन्हें वह निर्मित भी नहीं करती। प्रकृति की क्रियाएं क्यों हो रही हैं या फिर क्या होना चाहिए, जैसे प्रश्नों से जटिलताएं आती हैं। प्रकृति में सब कुछ स्वयं ही होता है। प्रकृति की तरह जो चीज सरल रहती है, वही सत्य है। ऊपर से यह बात सहज जान पड़ती है, पर यह उतनी सरल नहीं है। यही जीवन के साथ भी है। सरल रहने तक मानव जीवन सम्यक अर्थों में वास्तविक जीवन बना रहता है। यही हमारा जीवन जीना होता है। इससे पृथक होते ही जीवन सिर्फ व्यतीत करने तक सीमित हो जाता है। पद और ज्ञान का दंभ जीवन को जटिल बनाता है। जीवन के न सुलझने वाले गणित को सुलझाने के अनावश्यक कार्य में हम इतने अधिक उलझ जाते हैं कि अंत में मृत्यु ही इनके उलझाव को सुलझाती है। सहज और सरल जीवन द्वारा प्रयास के बगैर ऊंचाई मिलती है। जीवन की सहजता में जीवन को असाधारणता और अलौकिकता प्राप्त होती है। सरलता ही सत्य है। सत्य ईश्वर है। सत्य बोलना कठिन नहीं है। जो वास्तविकता है, उसे ही कहना है। सत्य में जोड़ना, घटाना और गुणा भाग नहीं करना पड़ता। झूठ बोलना इसके ठीक विपरीत है। जो नहीं है, वही कहना है। जल को हवा सिद्ध करने के लिए प्रपंच की सृष्टि करनी पड़ती है। वास्तविकता से दूर जाना पड़ता है। तमाम तरह के छल-छद्म रचने पड़ते हैं। सत्य का यथार्थ से संबंध है। संकोच करने पर मायावी-दिखावे के कारण अवसर निकल जाता है। संबंध की दीर्घता में सत्य और सरलता सेतु सदृश है। सत्य को कभी स्मरण नहीं रखना पड़ता। स्वयं स्मृति में रहता है। झूठ को सदा स्मृति पटल पर रखना होता है। झूठ को जितनी बार दोहराते हैं, उतनी बार उसका अर्थ बदलता जाता है। झूठ जटिलताएं उत्पन्न करता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनकर सरलता नष्ट करता है। सरलता के बगैर सत्य की निकटता नहीं मिलती।

संपादकीय

निगरानी व संचार जरूरतें...

भारत जब चारों ओर से प्रतिकूल स्थितियों से घिरता दिख रहा है, तब देश की सुरक्षा या निगरानी के लिए किया जाने वाला कोई भी इंतजाम स्वागत योग्य है। देश की सुरक्षा के मोर्चे पर यह किसी खुशखबरी से कम नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने अंतरिक्ष आधारित निगरानी (एसबीएस) मिशन के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है। जल, थल और नभ की पूरी निगरानी के लिए

किया जा रहा यह कार्य देश को गर्व की अनुभूति करा रहा है। ध्यान रहे कि इस परियोजना को रक्षा मंत्रालय में एकीकृत मुख्यालय के तहत रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। ऐसे सुरक्षा कार्यक्रमों को गोपनीय रखना चाहिए, पर यह हर्ष और कौतूहल का भी विषय है, इसलिए इसकी एक सीमा में रहते हुए चर्चा स्वाभाविक है। भारत एक उदार लोकतांत्रिक देश है और देश से जुड़ी बुनियादी सूचनाओं से देशवासियों को लैस करने में कोई बुराई नहीं है। आकाश में उपग्रहों का जाल बिछाकर किस तरह से देश की सुरक्षा और सूचना जरूरतों को पूरा किया जाएगा, इसके बारे में देशवासी जरूर जानना चाहेंगे। शुरूआती सूचनाओं के अनुसार, भारत सरकार निजी क्षेत्र को साथ लेकर देश के निगरानी तंत्र को मजबूत कर रही है। यह समय के अनुरूप उठाया गया कदम है। कम से कम 52 उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़े जाएंगे, जिन पर 26,968 करोड़ रुपये तक खर्च होंगे। इसरो 21 उपग्रहों का निर्माण करेगा और 31 उपग्रह निजी कंपनियों द्वारा तैयार किए जाएंगे। यह सूचना भी आज बहुत उपयोगी हो गई है कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय साल 2001 में अंतरिक्ष आधारित निगरानी तंत्र की शुरूआत चार उपग्रहों के साथ हुई थी। उसके बाद दूसरे चरण में साल 2013 में मनमोहन सिंह की सरकार के समय छह उपग्रह छोड़ने का फैसला हुआ था, उसके बाद अब जाकर तीसरे चरण का फैसला हुआ है। इसमें एक राय यह भी है कि अंतरिक्ष से निगरानी का काम अपेक्षाकृत कम गति से हो रहा है। देश की निगरानी व संचार जरूरतों को देखते हुए इसमें और तेजी आनी चाहिए। यह समझने की बात है कि प्रतिवर्ष औसतन पांच उपग्रह निगरानी के उद्देश्य से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित होंगे। दस साल में कुल 52 उपग्रह अंतरिक्ष की निचली कक्षा में तैनात हो जाएंगे। कोई शक नहीं कि भारत को थल, जल और नभ, तीनों ही मोर्चों पर खुद को मजबूत करना चाहिए। आज भारत के साथ दुनिया के ताकतवर देश खड़े हैं, फिर भी भारत को स्वयं अपने स्तर पर पुख्ता इंतजाम रखने चाहिए। भारत चुनौतियों से घिरा हुआ है और दुनिया की सबसे विशाल आबादी है, भारतीय जीवन अनमोल है, अतः हमें सबकी रक्षा के लिए अपने निगरानी तंत्र को मजबूत करना ही होगा। इसमें भी कोई दोराय नहीं कि हमारा निगरानी तंत्र अगर मजबूत होगा, तो हमारे पड़ोसी देशों को भी फायदा होगा। आपात स्थिति या आपदाओं के समय हम दुनिया के अन्य देशों की मदद करने में ज्यादा सक्षम होंगे। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पीएम गतिशक्ति योजना

देश में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए तीन वर्ष पहले शुरू की गई पीएम गतिशक्ति योजना पर प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि यह एक परिवर्तनकारी पहल है और इसके जरिये भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहा है। निश्चित रूप से इस महत्वाकांक्षी योजना ने बीते तीन वर्षों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। एक दर्जन से अधिक मंत्रालयों में समन्वय कायम करने वाली इस योजना के चलते केवल बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने में ही सफलता नहीं मिली है, बल्कि लॉजिस्टिक पर आने वाले खर्च को कम करने और एक स्थान से दूसरे स्थान पर सामग्री भेजने में लगने वाले समय को कम करने में भी कामयाबी हासिल हुई है। देश की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी ढांचे का निर्माण विकसित भारत के सपने को साकार करने की एक अनिवार्य शर्त है। इस योजना की सफलता का मूल्यांकन इससे किया जा सकता है कि श्रीलंका और बांग्लादेश ने भी अपने यहां बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पीएम गतिशक्ति के इस्तेमाल के लिए समझौता किया है। यह अच्छा हुआ कि पीएम गतिशक्ति योजना के तीन साल पूरे होने के बाद अब इस योजना के अगले चरण में बुनियादी ढांचे संबंधी जिला स्तरीय योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा। ऐसा किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अभी जिला स्तर पर विभिन्न विभागों में समन्वय की कमी दिखती है। इससे कई बार योजनाएं देरी से शुरू हो पाती हैं। इसी तरह प्रायः उनमें तालमेल के अभाव के चलते समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इसके चलते बुनियादी ढांचे संबंधी योजनाओं की लागत में भी वृद्धि होती है और उनमें समय भी अधिक लगता है। अब जब सभी राज्यों में बुनियादी ढांचे संबंधी जिला स्तरीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सभी राज्यों के एक-एक जिले में पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है तब फिर इस आवश्यकता की भी पूर्ति होनी चाहिए कि ऐसी परियोजनाओं में न तो दलगत राजनीति आड़े आए और न ही विभागीय असहमतियां। उचित यह होगा कि ऐसी कोई व्यवस्था बने जिससे बुनियादी ढांचे संबंधी प्रत्येक योजना का मूल्यांकन और उनकी समीक्षा उसी तरह से हो जैसे पीएम गतिशक्ति योजना के तहत होता है। इसमें संदेह नहीं कि पीएम गतिशक्ति योजना विभिन्न मंत्रालयों में समन्वय कायम करने और योजनाओं को सही तरह से आगे बढ़ाने में सहायक साबित हुई है, लेकिन इस योजना के तहत यह भी देखा जाना चाहिए कि बुनियादी ढांचे संबंधी जो भी निर्माण हो रहे हैं, वे भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं या नहीं। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि सड़कों से जुड़ी परियोजनाओं में यह देखने में आता है कि जो निर्माण कार्य किया गया होता है, उसमें कुछ ही समय बाद विस्तार करने या समानांतर कोई योजना तैयार करने की आवश्यकता महसूस होने लगती है। पीएम गतिशक्ति योजना के तहत यह भी देखने की आवश्यकता है कि जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, उनकी गुणवत्ता विश्वस्तरीय हो।

25+ Years of Trust
LET'S BUILD A BETTER TOMORROW!
ARL
अंकुर रूफिंग शीट्स
AEROTUFF
अंकुर फाइबर सीमेन्ट बोरवेल पाईप्स
SPECTA
QUARTZ SURFACES
https://www.facebook.com/ARLInfratech https://www.youtube.com/c/ARLInfratechltd www.arlinfratech.com
CHART GROUP
KINGS RESIDENCY

JSG
Jain Social Groups
Int. Federation
Grow more to Serve more
Group No. 154
ISO 20121:2012
जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
भगवान महावीर की 1008 दीपकों से महाआरती
लक्कीड्रा
डांडिया पुरस्कार
आकर्षक बम्पर हाऊजी
22वां
JKJ JEWELLERS
दीपोत्सव
डांडिया 2024
डीजे डांडिया धमाल
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
NO PLASTIC FOOD ZONE
Entry from Pass only
रविवार, 20 अक्टूबर 2024, सायं 4 बजे से 10 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
Kasera KIDS Fashion Show
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
प्रायोजक
ARL
ARL Infratech Ltd.
CHART GROUP
cityvibes
SHREE RAM GROUP
Home Heaven
SOGANI JEWELLERS
फैशन शो मुख्य प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event
फैशन शो प्रायोजक
JK MASALE
SINCE 1957
हाऊजी प्रायोजक
KESHAV
सहयोगी संस्थाएं: जेएसजी ग्लोरी, मैट्रो, हैरिटेज, वीनस, राजधानी, राजस्थान जैन युवा महासभा, डीजेएसजी सन्मति, अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद संभाग मानसरोवर

सोलह को सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहेगा चंद्रमा

शरद पूर्णिमा व्रत भी इसी दिन रखा जायेगा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। इस वर्ष मुख्य त्योहारों वाले दिन सुबह या शाम को तिथियों के बदलने से त्योहारों को किस दिन मनाए यह जनमानस में भ्रम बना हुआ है। अब शरद पूर्णिमा को लेकर भ्रम बना हुआ है, 16 को मनाए या 17 अक्टूबर को मनाएं। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने कहा कि 16 अक्टूबर बुधवार को पूर्णिमा तिथि रात्रि 08:40 बजे से प्रारंभ होकर 17 अक्टूबर शाम को 04:55 बजे पर समाप्त हो जायेगी। ऐसी स्थिति में शरद पूर्णिमा व्रत 16 अक्टूबर बुधवार का रखा जाएगा चंद्रोदय शाम 05:02 बजे पर हो जायेगा। जैन ने कहा शरद पूर्णिमा सभी पूर्णिमाओं में एक ही ऐसी पूर्णिमा है जब चंद्रमा सोलह कलाओं से परिपूर्ण होकर निकलता है सोलह कलाओं से आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण होता है। श्री कृष्ण जी को

सोलह कलाओं से परिपूर्ण अवतार माना जाता है। इसलिए आश्वनि शुक्ल पूर्णिमा को चंद्र देव की व्रत उपवास रख कर पूजा की जाती है जो नव विवाहिता पूर्णमासी का व्रत करने का संकल्प लेती है उन्हे इसी दिन से व्रत का आरंभ करना चाहिए। इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं के साथ अपनी धवल किरणों द्वारा अमृत की वर्षा करता है जिससे व्यक्ति स्वस्थ्य,दीर्घायु रहता है इसी लिए इस रात्रि को गाय के दूध की खीर बनाकर चंद्रमा की खुली रोशनी में मलमल के वस्त्र से ढक कर रखी जाती है इस मीठी खीर में चंद्रमा की किरणों से औषधि गुण आजाते है फिर प्रातः काल इस खीर का प्रसाद के रूप में सेवन किया जाता है। ब्रज क्षेत्र में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है इसी दिन श्री कृष्ण ने आध्यात्म /अलौकिक प्रेम का नृत्य प्रत्येक गोपियों के साथ किया था इस रात्रि को श्री कृष्ण जी ने आलौकिक रूप से ब्रह्मा की एक रात्रि के बराबर कर दिया था। इस शरद पूर्णिमा को भारत के अलग अलग क्षेत्र में कोजागरा पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है और पूरे दिन व्रत/ उपवास रखा जाता है इस व्रत का अन्य नाम कौमुदी व्रत भी है। इस दिन 16 अक्टूबर पूर्णिमा को चंद्रोदय शाम 05:02 बजे हो जायेगा।

॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः॥

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान

राजस्थान प्रांत

प.पू. अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, वात्सल्य मूर्ति आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज के आशीर्वाद

एवं

उपाध्याय श्री 108 वृषभानन्द जी मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में

पावन आशीर्वाद

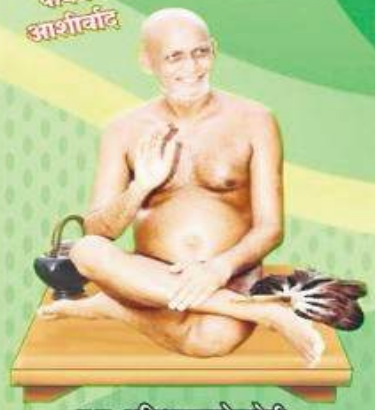

प.पू. अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी
आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज

आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज द्वारा उद्घोषित-

अहिंसक आहार वर्ष

वी.नि.सं. 2550-2551

राज्यस्तरीय

अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता

पुरुस्कार वितरण

एवं

बालिका सम्मान समारोह

रविवार, 20 अक्टूबर 2024

समय - दोपहर 1.15 बजे

गर्व से कहो हम अहिंसक हैं।

We Support अहिंसक आहार

प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य
श्री 108 विद्यानन्दजी मुनिराज

पावन सानिध्य

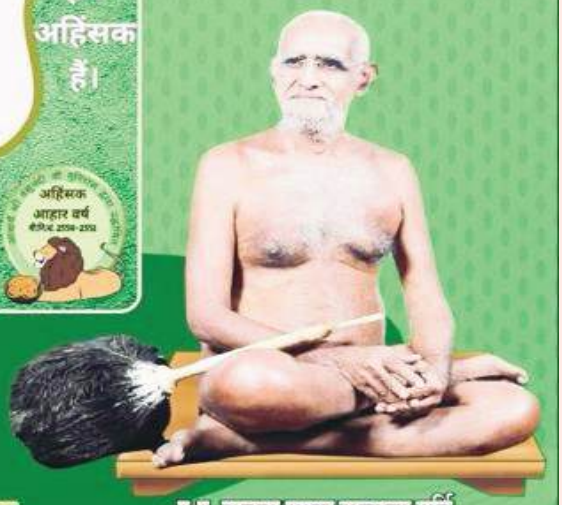

प.पू. वाचना प्रमुख वात्सल्य मूर्ति
उपाध्याय 108 श्री वृषभानन्द जी मुनिराज

पावन प्रेरणा एवं निर्देशन

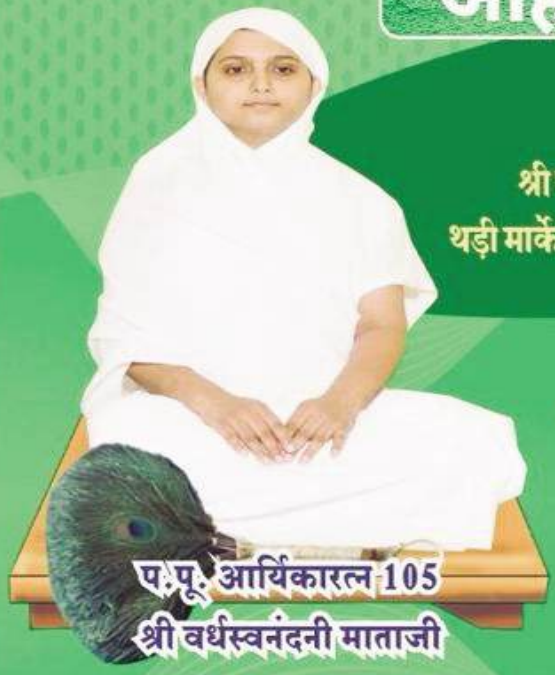

प.पू. आर्यिकारत्न 105
श्री वर्धस्वनंदनी माताजी

स्थान

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
थड़ी मार्केट, सेक्टर-10, मानसरोवर, जयपुर

वात्सल्य आमंत्रण

आयोजक : अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत-राजस्थान

निवेदक : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति,

से. 11 अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर

सम्पर्क सूत्र : 9314517649, 9414049272, 9351302142, 9314024888

रक्तदान जैसा पुनीत कार्य शास्त्र, समाज और न्यायसंगत इसे सभी को करना चाहिएः आचार्य विनय सागर

रक्तदान की प्रेरणा देना पावन कार्य संस्थाएं को सुचिता के साथ करें कार्यः कलेक्टर

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिण्ड। रक्तदान जैसा पावन कार्य शास्त्र सम्मत भी है समाज संवत भी है और न्याय संगत भी है इसे सभी को करना चाहिए नवजीवन सहायतार्थ संगठन यह कार्य करके समाज को एक दिशा दे रहा है आप भी इससे जुड़े और प्रेरणा लें उक्त बात आचार्य विनय सागर महाराज ने कही वे नवजीवन सहायतार्थ संगठन द्वारा आयोजित राष्ट्रीयस्तर पर रक्तदान हेतु प्रेरित कर रहे फिर प्रेरितों के सम्मेलन में बोल रहे थे प्रेरणा नामक इस सम्मेलन में जिलाधीश संजीव श्रीवास्तव शहडोल संभाग के पूर्व कमिश्नर राजीव शर्मा, डीएसपी अमृत मीणा, 147 बार रक्तदान कर चुके उदय हजारी एवं 177 बार रक्तदान कर चुके राहुल सोलाकर, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिव प्रताप सिंह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य रमेश दुबे नवजीवन सहायतार्थ संगठने की संस्थापिका नितेश जैन सचिव नम्रता जैन अध्यक्ष पिंकू शर्मा सहित जिले के प्रतिष्ठित समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि bsw और एमएसडब्ल्यू के छात्र, मेंटर्स, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित अन्य लोग उपस्थित थे सम्मान समारोह का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी गणेश भारद्वाज एवं मुद्दा भारद्वाज ने किया आभार प्रदर्शन ज्योति तोमर ने किया। गीतांजलि गार्डन बद्री प्रसाद की बगिया में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मान समारोह में बोलते हुए आचार्य विनय सागर महाराज ने अपने आशीर्वचनों के माध्यम से सबको प्रेरित किया और नवजीवन के कार्य की सराहना की साथ ही उन्होंने इस तरह के पवित्र कार्य करने हेतु अन्य समाज से भी संगठनों का आवाहन भी किया उन्होंने कहा नवजीवन रक्तदान के साथ-साथ विविध गतिविधियों में भी सक्रिय है यह समाज के लिए उत्कृष्ट उदाहरण है हमें इससे सीख लेनी चाहिए जिलाधीश संजीव श्रीवास्तव ने कहा रक्तदान से पवित्र कोई कार्य नहीं हो सकता सभी समाज सेवी संगठन इस बात का विशेष ध्यान रखें कि रक्तदान जैसे पवित्र कार्य को बेहद सुचिता समन्वय और संजीदगी के साथ संपन्न करें अन्यथा इसकी गरिमा काम हो जाएगी। आज के आयोजन पर नवजीवन सहायतार्थ संगठन के प्रयास की सराहना करता हूं आगे भी इस तरह के आयोजन होते रहे ऐसी अपेक्षा भी करता हूं रक्तदान जैसा कार्य अतुलनीय है इसे भिंड में विस्तार देने की आवश्यकता है। पूर्व शहडोल कमिश्नर राजीव शर्मा ने कहा की भिंड के लोगों में बहुत उत्साह है बहुत प्रतिभा है आज का यह कार्यक्रम देखकर मैं उत्साहित हूं और मुझे लगता है की भिंड को संवारने के लिए मुझे एक बहुत बड़ा परिवार मिल गया है।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

जानते हो लाश - पानी में क्यो तैरती है ? क्योंकि डूबने के लिए पूरी जिन्दगी लगती है...बात बहुत गहरी है। आज अहिंसक होने की या शाकाहारी होने की जो पहचान मिली है, वह एक या दो दिन के त्याग और तप करने से नहीं मिली है। ऐसी पहचान सदियों की साधना और करोड़ों वर्षों की तपस्या करने से मिली है। मुझे बड़ी प्रसन्ता है कि आज की युवा पीढ़ी का सबसे बड़ा पराक्रम बुरी आदतों से दूर होकर भी अपने मन माफिक जीवन को जीना ही सबसे बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि आज के बदलते माहौल में, परम्परा, संस्कृति के बदलते परिवेश में, अपने धर्म, संस्कारों और सिद्धान्तों की सुरक्षा करना बहुत कठिन काम है। वक्त की नजाकत को ध्यान में रखते हुये, जो ठीक है, सामायिक है, शुभ है, उसे अपनाने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिए। फिर भले ही वो आज का ही धर्म क्यों ना हो। ध्यान रखना - - जीवन के हाई-वे पर गाड़ी चलाते हुये ब्रैक से कभी पैर ना हटायें और स्टीयरिंग से हाथ हटाकर गाड़ी नहीं चलाना चाहिए। क्योंकि ब्रैक संयम का प्रतीक है, तो स्टीयरिंग विवेक का। अतः सुखमय जीवन के लिये, जीवन की गाड़ी से वो साइड ग्लास हटा दो, जिसमें पीछे छूटे रास्ते और बुराई करते लोग नजर ना आये...।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

स्टार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को कम आय समूह श्रेणी में उत्कृष्ट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के लिए ईटी बिजनेस लीडर्स 2024 अवार्ड मिला

जयपुर. कासं

कम कीमत वाले लोन में विशेषज्ञता रखने वाली प्रमुख रिटेल-केंद्रित हाउसिंग फाइनेंस कंपनी स्टार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (स्टार एचएफएल) को प्रतिष्ठित एळ बिजनेस लीडर्स 2024 अवार्ड में सम्मानित किया गया है। कम आय समूह के लिए उत्कृष्ट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी की श्रेणी में यह पुरस्कार कंपनी की ओर से हेमंत शिंदे और मुख्य परिचालन अधिकारी अनूप सक्सेना ने प्राप्त किया। यह पुरस्कार भारत की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, पूर्व सांसद, लोकसभा राजेंद्र अग्रवाल और बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर द्वारा ऑप्टिमल मीडिया सॉल्यूशंस - टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप कंपनी द्वारा आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार स्टार एचएफएल के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर आया है, क्योंकि कंपनी ने हाल ही में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में ₹500 करोड़ को पार कर लिया है, जो इसकी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि स्टार एचएफएल की हाउसिंग फाइनेंस मार्केट में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो मुख्य रूप से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और एनसीआर सहित राज्यों में टियर II और टियर III शहरों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है। हेमंत शिंदे ने ईटी बिजनेस लीडर्स 2024 अवार्ड प्राप्त करने पर अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, ''यह पुरस्कार हमारे संगठन के लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है, जो उन लोगों को किफायती आवास समाधान प्रदान करके वित्तीय समावेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। यह हमारी टीम के समर्पण और हमारे ग्राहकों द्वारा हर दिन हम पर रखे जाने वाले भरोसे का प्रमाण है। मैं श्री प्रशांत करुलकर (मेंटर) को हमारे स्केल-अप सफर के दौरान उनके अमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं।'' स्टार एचएफएल के मुख्य परिचालन अधिकारी अनूप सक्सेना ने कहा: ''हमारा ध्यान हमेशा कम आय वाले परिवारों के लिए घर खरीदने की प्रक्रिया को सरल बनाने, वंचित क्षेत्रों में आवास वित्त तक पहुंच सुनिश्चित करने पर रहा है। यह पुरस्कार हमें पहली बार घर खरीदने वालों के जीवन में सार्थक बदलाव लाते हुए सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।'' 30 से ज्यादा शाखाओं के मजबूत नेटवर्क और 300 से ज्यादा कर्मचारियों की टीम के साथ, स्टार एचएफएल ने आज तक 5,000 से ज्यादा परिवारों को सफलतापूर्वक सेवा दी है। कंपनी का मिशन RBI के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण मानदंडों के तहत खुदरा गृह ऋण प्रदान करना है, जो अक्सर प्रधानमंत्री आवास योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप होता है। जून 2024 तक, स्टार एचएफएल का अवट ₹471.41 करोड़ है, जो लगातार विकास और प्रभाव को दर्शाता है। ईटी बिजनेस लीडर्स 2024 अवार्ड्स में मिली मान्यता भारत के किफायती आवास क्षेत्र में एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में स्टार एचएफएल की भूमिका को और उजागर करती है, जो देश के 'सभी के लिए आवास' के दृष्टिकोण में योगदान देता है। इस पुरस्कार और मील के पत्थर का जश्न स्टार एचएफएल के कार्यालयों में मनाया गया, जिससे टीम को ऊर्जा मिली क्योंकि वे अधिक उपलब्धियों की ओर अपनी यात्रा जारी रखते हैं।

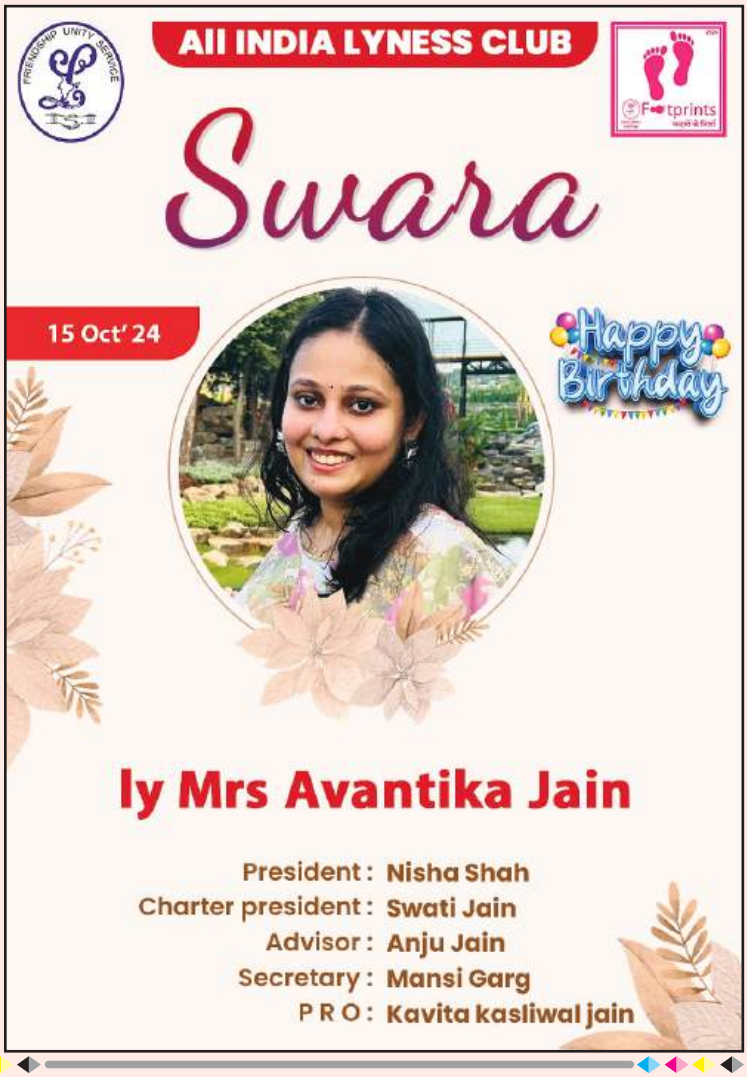

ईशमधु तलवार की स्मृति में संगोष्ठी का आयोजन

मीडिया को अपनी विश्वसनीयता बचाए रखने की जरूरत है: आफरीदी

तलवार की स्मृति में साहित्य-सम्मान प्रारम्भ किया जाएगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार और प्रगतिशील लेखक संघ राजस्थान के महासचिव रहे ईश मधु तलवार के जन्म दिवस पर रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर में उनकी स्मृति में मीडिया: कहां से कहां तक विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार, कवि और हरिदेव जोशी जन संचार और पत्रकारिता विश्वविद्यालय के गेस्ट फेकल्टी रहे त्रिभुवन ने कहा कि पत्रकारिता चुनौती भरा और जोखिम भरा काम है। आजादी के आंदोलन में पत्रकारों ने अपना बहुत कुछ खोकर भी दायित्व निभाया। आज भी इसकी उतनी ही आवश्यकता है। पत्रकारिता हमें दायित्व बोध के साथ एक शक्ति देता है। उन्होने कहा कि ईशमधु तलवार लोगों को जोड़ने का काम करते थे। उन्होने निर्भयता और निष्पक्षता के साथ पत्रकारिता की। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ व्यंग्यकार और राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष फारूक आफरीदी ने कहा कि देश इस समय एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। इसमें मीडिया की विश्वसनीयता को बचाने की जरूरत है।बहुत कम मीडिया पर्सन और समाचार पत्र जन लोकपाल की भूमिका निभा रहे हैं। जन की चिंता को लेकर मीडिया बहुत कम सजग है। आम आदमी की बढ़ती मुश्किलों पर मीडिया को और अधिक गौर करने की जरूरत है। आज की पत्रकारिता पर सत्ता उन्मुख होने के आरोप लगते हैं। यह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया दोनों की स्थिति चिंताजनक है। मीडिया को लोकोन्मुखी बनाने के लिए लोक को ही आगे आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि तलवार अच्छे पत्रकार के साथ अच्छे साहित्यकार भी थे। उनकी भाषा समृद्ध थी। साहित्य को बाजारवाद से मुक्त करने के लिए उन्होने जन साहित्य उत्सव की नींव रखी और देश विदेश के साहित्यकारों इस आंदोलन से जोड़ा। वरिष्ठ कवि प्रेमचन्द गांधी और स्व. तलवार के सुपुत्र डॉ. अनीश तलवार ने कहा बताया कि भारतेंदु साहित्य संस्थान को पुनर्जीवित किया जायेगा और 21 हजार रुपए का ईशमधु स्मृति शाकुंतलम सम्मान प्रारंभ किया जाएगा। पत्रकार सुनीता चतुर्वेदी ने संचालन किया। सवाई सिंह, पत्रकार रोशनलाल शर्मा, ऋषिकेश राजोरिया ने भी विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में पत्रकार, साहित्यकार, रंगकर्मी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दसवें वैश्विक साहित्य में श्री अरुण जैन सम्मनित

5वां सूरज प्रकाश मरवाह साहित्य रत्न सम्मान मिला

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। एशियन अकादमी ऑफ आर्ट्स व राइटर एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 10 वें वैशविक साहित्य महोत्सव में फरीदाबाद के अरुण कुमार जैन को सम्मानित किया गया। नॉएडा फिल्म सिटी स्थित मरवाह स्टूडियो के प्रांगण में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 3 दिवसीय 10 वाँ वैश्विक साहित्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश विदेश के 200 से अधिक साहित्य मनीषयों ने भाग लिया। 3 दिवसीय कार्यक्रम में सेमिनार, पुस्तक प्रदर्शनी, लोकार्पण, समीक्षा, परिचर्चा के साथ साथ आने वाले समय में लेखन को चुनौती व लेखन के स्वरुप पर चर्चा हुयी। इसी कार्यक्रम में ललितपुर में जन्मे वरिष्ठ साहित्यकार व विगत 7 वर्षों से देश के प्रसिद्ध अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में सेवा रत जैन को सूरज प्रकाश मरवाह साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह निदेशक सुशील भारती ने इंजिनियर अरुण जैन की साहित्यिक उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि इनकी रचनाओं के 2000 से अधिक प्रकाशन देश भर की पत्र पत्रिकाओं में विगत 50 वर्षों में हुए हैं। 14 से अधिक कृतियों के सृजक आकाशवाणी, दूरदर्शन से विगत 40 से अधिक वर्षों से जुड़े हैं। कई राष्ट्रीय स्तर के सम्मान से इन्हें अलंकृत किया जा चुका है। ए. ए. एफ. यूनिवर्सिटी के चांसलर व नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक संदीप मरवाह ने अरुण जैन को प्रशस्ति पत्र व अलंकरण प्रदान किये। समारोह में कनाडा, साइप्रस के साथ साथ देश के ख्याति प्राप्त विभूतियाँ उपस्थित रहे। अरुण जैन हिंदी साहित्य के माध्यम से नैतिकता, शिक्षा, संस्कार व पर्यावरण को समृद्ध बनाना अपना संकल्प बताया। साहित्य मनीषयों व स्वजनों ने उनको इस उपलब्धि पर बधाइयां दी हैं।

अशोक आत्रेय की कलाकृतियों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जवाहर कला केंद्र की पारिजात आर्ट गैलेरी में अशोक आत्रेय की प्राकृतिक नील की अनोखी 27 रूपाकारों की नक्षत्रीय कलाकृतियों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सुरेश कौल, अध्यक्ष, सार्थक मानव कुष्ठाश्रम थे तथा विशिष्ट अतिथि महंत दीपक बल्लभ गोस्वामी एवं भैरव दत्त, सचिव, सार्थक मानव कुष्ठाश्रम थे। अशोक आत्रेय ने अपनी इन कलाकृतियों के विषय में बताया कि आकाश मार्ग से धरती पर उतरती नीलवर्णी परियों का अगर अमूर्त रूपांतरण कर दिया जाये तो हम नीलोदभव की अवधारणा के नजदीक जा सकते हैं। इसे एक दूसरी तरह से भी सोचा जा सकता है कि हमारे चंद्रयान मिशन की गौरव गाथा को भी हम सतरंगी आभा में देखना चाहें तो वह अनुभूति 27 नक्षत्रों के धरती पर अवतरण के अंतरंग साक्षात्कार जैसा अनुभव होगा। अशोक आत्रेय ने इस कला प्रदर्शनी को सार्थक मानव कुष्ठाश्रम एवं अपने प्रिय मित्र प्रसिद्ध आर्टिस्ट डेनियल को समर्पित की है। इस अवसर पर सुरेश कौल ने कहा कि जीवन की यात्रा के ऊपर और निचे के धरातलों पर सज संवर कर कैसी अनुभूति होती है। यह हम इन कृतियों को देखकर समझ सकते हैं।

जयपुर टाइगर फेस्टिवल ने बच्चो के लिए 'द वाइल्ड रोबोट' मूवी का स्पेशल प्रीमियर किया आयोजित

विख्यात स्कूलों के लगभग 500 बच्चों ने मिराज सिनेमा में देखी मूवी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर टाइगर फेस्टिवल और यूनिवर्सल पिक्चर के सहयोग से जवाहर सर्किल स्थित एंटरटेनमेंट पैराडाइस में स्कूली बच्चों के लिए 'द वाइल्ड रोबोट' फिल्म का विशेष प्रीमियर शो आयोजित किया गया। यह बहुचर्चित एनिमेटेड साइंस फिक्शन फिल्म, जो भारत में 18 अक्टूबर 2024 को आधिकारिक तौर पर रिलीज होने जा रही है। द वाइल्ड रोबोट एक अमेरिकी एनिमेटेड फिल्म है, जिसे ड्रीमवर्क्स एनीमेशन ने प्रोड्यूस किया है और यह पीटर ब्राउन की प्रसिद्ध पुस्तक पर आधारित है। यह फिल्म प्रकृति, तकनीक और जीवों के सह-अस्तित्व की एक प्रेरणादायक कहानी बताती है। इस प्रीमियर के जरिए विद्यार्थियों को न केवल फिल्म का विशेष अनुभव मिला, बल्कि उन्हें वन्यजीव व पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती भावना जगवानी, फाउंडर एवं कन्वेनर, मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम, रहीं, जो अंग दान के अभियान से भी जुड़ी हुई हैं। जयपुर टाइगर फेस्टिवल के फाउंडर पैट्रन धीरेन्द्र के गोधा, सचिव आनंद अग्रवाल और संयुक्त सचिव अरुण नारंग ने मुख्य अतिथि को टाइगर की फोटो भेंट की।

प्रतिभागी स्कूलों का उत्साह

इस प्रीमियर में आदर्श विद्या मंदिर, एस जे पब्लिक स्कूल, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल मानसरोवर, संस्कार स्कूल, डकलिंग पब्लिक स्कूल, कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल, जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल, और एम जी डी स्कूल के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अनूठे कार्यक्रम का सफल संचालन जयपुर टाइगर फेस्टिवल के संस्थापक-संरक्षक धीरेंद्र के गोधा, अध्यक्ष संजय खवाड़, और सचिव आनंद अग्रवाल द्वारा किया गया।

विमर्श जागृति महिला मंच के निर्वाचन सम्पन्न

वैशाली बांझल निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गई

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। सोमवार को सुधासागर भवन में विमर्श जागृति महिला मंच की वार्षिक निर्वाचन मीटिंग आयोजित हुई । सब सदस्याओं ने संस्था की प्रगति पर अपने विचार व्यक्त किये। पूर्व अध्यक्ष प्रीति मोहरी ने बताया कि इस अवसर पर सत्र 2024-25 के निर्वाचन भी सम्पन्न हुए । जिसमें श्रीमती वैशाली बाँझल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वैशाली बाँझल पूर्व में भी अध्यक्ष रह चुकी है तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य है। सभी ने वैशाली को बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वाशन दिया तथा श्रमणाचार्य गुरुवर विमर्श सागर जी के कर कमलों से आगामी 15 नवम्बर को दिल्ली में आयोजित दीक्षा समारोह में सहभागिता करने का निश्चय किया ।कार्यक्रम में विमर्श जागृति महिला मंच की राष्ट्रीय प्रवक्ता स्मृति भारत,पूर्व अध्यक्ष पूजा देरखा, शाखा मंत्री रूबी करैया, सदस्याएं संगीता भारत,ज्योति जैन,इंद्रा बारी,सरोज सिंघाड़ा, नेहा जैन,पूनम जैन,पूजा दलाल , वंदना, मीना, वर्षा, रजनी, रवि, आदि उपस्थित थी।

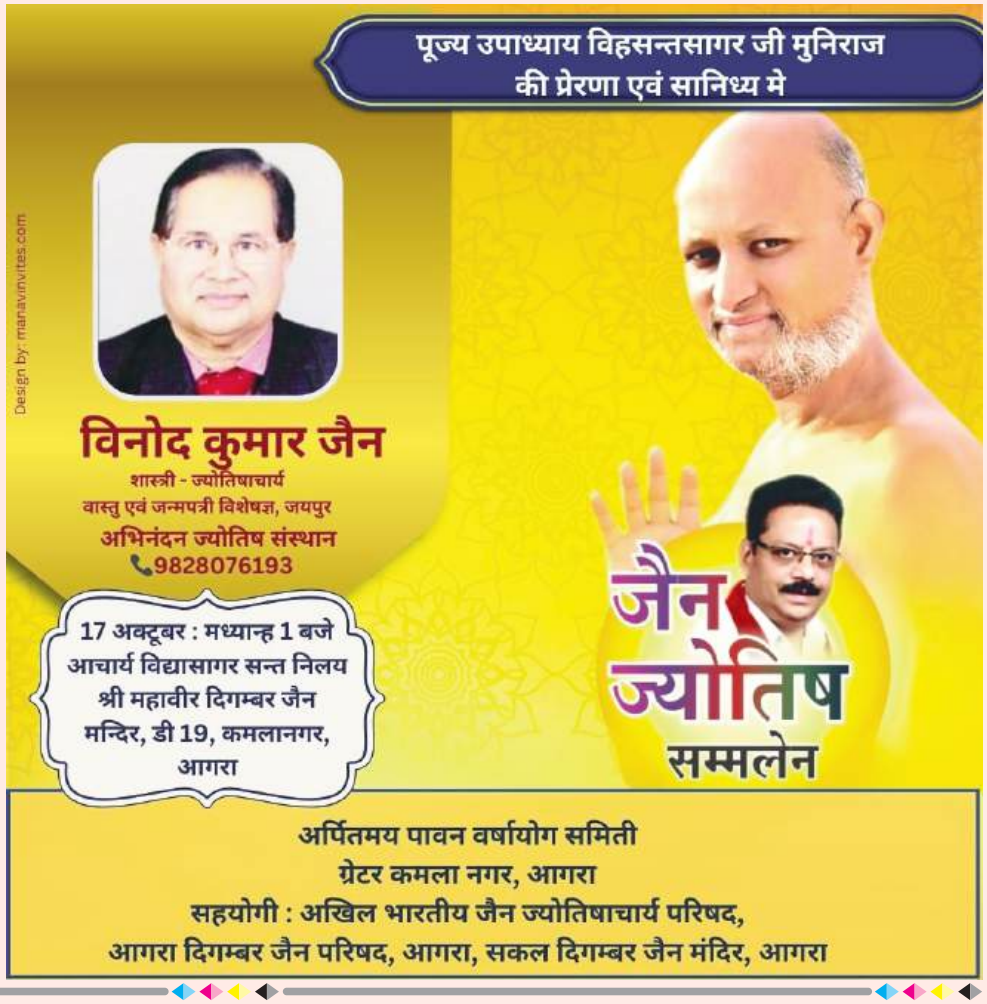

सिद्ध परमात्मा हमारी साधना का मूल है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

नवपद के द्वितीय पद की हुई ध्यान-साधना

चेन्नई. शाबाश इंडिया। परमात्मा, जो पूर्णतः सिद्ध और परिपूर्ण है, हमारी आध्यात्मिक साधना और प्रयासों का मुख्य आधार और उद्देश्य है। सोमवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज के सान्निध्य में नवपद के द्वितीय सिद्ध पद के गुणों की व्याख्या, आराधना ध्यान के माध्यम से हुई। आत्मा 8 कर्मों ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गौत्र, अंतराय कर्मों के क्षय से आत्मा मुक्त होने पर सिद्ध बनती है। नमो सिद्धाणं पद की व्याख्या करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि यह अंतिम, पूर्ण अवस्था है। केवली दो प्रकार के होते हैं। एक जिनका तीर्थंकर नाम कर्म का उदय है और दूसरे वे, जो केवली बने हैं, जिन्होंने अपनी साधना का उद्देश्य प्राप्त कर लिया। जिनके लिए अभी कुछ भी करना शेष नहीं रहा। सिद्ध परमात्मा समानता के महान आदर्श है। उस लक्ष्य को पाने वाले हे सिद्ध परमात्मा ! आपको नमन, वंदन है। आपके अनंत- अनंत उपकार है मेरे पर। मैं मनुष्य योनि को प्राप्त कर सका, वह आपका पुण्य प्रताप है। आपने सिद्ध पद को प्राप्त किया। इस संसार का प्रत्येक प्राणी, जो अव्यवहार राशि निगोद से बाहर आया, वह कितना पुरुषार्थ किया आपने। इस शुद्ध रूप को प्रकट करने के लिए आपका पुरुषार्थ वंदनीय है। इस शुद्ध रूप को प्रकट करने के बाद चंद्र सी सौम्य हम सभी के हृदय को शीतलता प्रदान करने वाली अवस्था है। वह आपका आत्म स्वरूप है जो अष्ट गुणों की संपदा से संपन्न हैं। जिसके आगे देव लोक का वैभव भी तुच्छ, नगण्य है। उन्होंने कहा अनंतज्ञान, अनंतदर्शन, अनंतशक्ति, आपकी यह अवस्था सारे कर्मों के क्षय से हुई। ज्ञानावरणीय कर्म नष्ट हुआ तो ज्ञान प्राप्त हुआ, मोहनीय नष्ट हुआ तो सम्यक्त्व प्रकट हुआ, आयुष्य कर्म नष्ट हुआ तो अमोल प्राप्त हुआ, गौत्र कर्म के क्षय होने से अगुरु, लघु नष्ट हुआ, नाम कर्म से अमूर्त, निराकार रूप प्रकट हुआ। आपने अनंत गुणों को प्रकट कर शुद्ध अवस्था को पाकर अमृत को प्राप्त हुए। अनंत रत्न तक यह अवस्था अक्षुण्ण है। सुख, वैभव आयुष्य पूर्ण होने के बाद छूट जाती है लेकिन अपना अनंत- अनंत काल का वैभव प्रत्येक भव्य आत्मा के लिए आदर्श है। प्रत्येक भव्य आत्मा का लक्ष्य एकमात्र सिद्ध पद की प्राप्ति हैं।

महिलाएं सेवा के क्षेत्र में आगे आकर गांव को गोद लें: संयुक्त कलेक्टर

जैन समाज के युवा महिला मंडल का शपथग्रहण समारोह हुआ

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

महिलाएं घर ग्रहस्थि का काम बहुत अच्छी तरह से संभालती है और एक संस्कार बान समाज बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं आज कि महिला पड़ी लिखी होने के साथ सेवा के क्षेत्र में भी आगे आ रही है धार्मिक कार्यों के साथ सामाजिक और उससे बाहर निकलकर गरीब और आदीवासी माताओं की सेवा के क्षेत्र आगे आये तो प्रशासन उनके कार्य में सहयोग करेगा अभी हाल में इस अभियान को कलेक्टर सर के नेतृत्व जिले बहुत अच्छे चलाया जा रहा है उक्त आश्य केउद्गार महीला जैन युवा वर्ग के शपथ विधि समारोह को संबोधित करते हुए संयुक्त कलेक्टर सोनम जैन ने व्यक्त किए। इसके पहले समारोह में आचार्य के चित्र का अनावरण एस पी विनीत कुमार की जीवन संगनी श्रीमति शालीन जैन संयुक्त कलेक्टर सोनम जैन महासमिति की राष्ट्रीय महामंत्री इन्दु गांधी नव निर्वाचित अध्यक्ष अभिलाषा जैन ने किया वहीं दीप प्रज्जवलन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री विजय धुर्रा दारा किया गया।

पांच वर्ष के संक्षिप्त समय में महिला युवा वर्ग ने अलग पहचान बनाई: विजय धुर्रा

इस दौरान युवा वर्ग के संरक्षक विजय धुर्रा ने कहा कि नगर की प्रमुख युवा समाज सेवी संस्था जैन युवा वर्ग के महिला ईकाई का गठन पांच वर्ष पहले किया गया था और तब से ही महिला युवा वर्ग बहुत अच्छी तरह से कार्य कर रहा है और नवीन कार्यकारिणी और भी ऊर्जा से भरकर काम करेंगी

नवीन कार्यकारिणी ने ग्रहण की शपथ

इसके बाद शपथ विधि श्रीमति शालीन एस पी विनीत कुमार के मार्गदर्शन में इन्द्रू गांधी द्वारा महिला जैन युवा वर्ग की अध्यक्ष अभिलाषा जैन उपाध्यक्ष रीना धुर्रा अंजू जैन श्रृंगार महामंत्री दीपा अखाई मंत्री ऋतु बरोदिया कोषाध्यक्ष कविता श्रृंगार सह कोषाध्यक्ष बर्षा भोला स्टूडियों सांस्कृतिक मंत्री रीना वर्तन मीडिया प्रभारी सोनू जैन को पद गोपनीयता की शपथ दिलाई इसके साथ ही स्नेह जैन मोना सिंघई ऋतु मोदी संध्या वर्तन डिम्पल भसरवास को संरक्षक मंडल में रखा गया।

आज महिलाएं भी पुरुषों के समान कार्य कर रही है

इस दौरान श्रीमति शालीन जैन ने कहा कि आधुनिक समय में पुरुषो के साथ महिलाएं भी सभी क्षेत्रों में बड़ चढ़ कर भाग ले रही है और सभी क्षेत्रों में काम कर रही है आज हमारे देश में सभी पदों पर महिलाएं सेवा दे रही यहां देश की राष्ट्रपति महिला है। इस दौरान समाज अध्यक्ष राकेश कासंल ने भी अपनी बात रखी सभा का संचालन कविता जैन, सोनू जैन द्वारा किया गया।

रावण दहन से गौ माता की सेवा: नवीन भंडारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। रावण दहन के अवसर पर हमारी प्राथमिकताओं को बदलने की आवश्यकता है। आज हजारों रुपये एकत्र होकर रावण के पुतले का दहन किया गया, लेकिन गौ माता की सेवा के लिए धन इकट्ठा करना एक बड़ी चुनौती है। गौ माता हमारी संस्कृति और पर्यावरण की रक्षक हैं। उनकी सेवा से हमारा जीवन स्वस्थ और समृद्ध होता है। लेकिन आज गौ माता की दुर्दशा हमारी चिंता का विषय है। श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नवीन भंडारी ने कहा, ''हमें गौ माता की सेवा के लिए जनजागरूकता बढ़ानी होगी। हमें अपनी प्राथमिकताओं को बदलना होगा और गौ माता की सेवा को अपनी पहली प्राथमिकता बनाना होगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''रावण दहन की परंपराओं को गौ माता के गोबर से दहन करके निभाया जा सकता है। इससे गौ माता एवं गोपालक को समृद्ध और विकसित बना सकते हैं। यह पर्यावरण के लिए भी हितकारी है, क्योंकि गोबर से दहन करने से प्रदूषण कम होता है और पर्यावरण स्वच्छ रहता है।'' गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोपाल नगर गोपालपुरा बाईपास पर गौ माता के गोबर से रावण दहन किया गया। इस आयोजन में स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और हर्ष उल्लास के साथ इस अनोखी पहल का समर्थन किया। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि गौ माता की सेवा में योगदान करें और इस महत्वपूर्ण कार्य में हमारा साथ दें।

जैन श्रमण संस्कृति, जिनागम व तीर्थों का संरक्षण आचार्य श्री शांतिसागर की देन: आचार्य श्री वर्धमान सागर

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया पहुंचे शताब्दी महोत्सव में, चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

पारसोला. शाबाश इंडिया

पारसोला में विराजमान वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमानसागर संसघ के मंगल सानिध्य में जैन समाज के तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांतिसागर महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन के शताब्दी महोत्सव के दूसरे दिन आज प्रातः काल जिनेंद्र प्रभु के अभिषेक - पूजन में श्रद्धालु उमड़ पड़े। इसके बाद श्रुतदेवी को रजत पालकी में विराजित कर भव्य प्रभावना जुलुस सन्मति नगर से शांतिसागरम धाम पहुंचा। जुलूस में सबसे आगे बालिका मंगल कलश लिए इसके बाद दक्षिण भारत के ढोल नगाड़ों व शहनाई वादक इसके ससंघ व पुरुष व महिलाएं नाचते गाते माँ जिनवाणी के जयकारें लगाते चल रहे थे। शांतिसागरम में लगे आचार्य शांतिसागर चल छाया चित्र प्रदर्शनी का ससंघ ने अवलोकन किया। इसके बाद सौधर्म इन्द्र सहित समस्त इन्द्र इन्द्राणी द्वारा श्रुत देवी का आभूषण से अलंकृत कर महाअर्चना करते हुए अर्घ्य समर्पित किया गया। मुनि श्री पुण्य सागर जी, मुनि श्री अपूर्वसागर जी द्वारा प्रथमाचार्य के प्रति विनयांजलि दी गई। सातगौंडा से शांतिसागर फिल्म के निर्देशक आशा नरेश मालवीय सलूम्बर व विनय कुमार अनंत कुमार बड़जात्या किशनगढ़ ने फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया। दोपहर में पंजाब के महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने शताब्दी महोत्सव में भाग लिया और आचार्य ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। स्थानीय जैन समाज के जयंतीलाल कोठारी व शताब्दी महोत्सव के ऋषभ लाल ने राज्यपाल कटारिया का अभिनन्दन किया गया। राज्यपाल कटारिया ने धर्म शिक्षा व वृजसेन पुस्तक का विमोचन किया। कटारिया ने जैन धर्म के महाव्रत व संयमित जीवन को आधार बनाकर आमजन से आचार्य श्री शांतिसागर जी के जीवन चरित्र को अपनाने का आह्वान किया। आचार्य श्री

वर्धमान सागर जी ने धर्मदेशना में बताया कि आज पूरे भारत में जैन श्रमण संस्कृति व जिनागम प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी की देन है। कार्यक्रम में उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन सलूम्बर पूर्व जिला प्रमुख छगनलाल जैन 18 हजार दशा हुमड़ समाज अध्यक्ष दिनेश खोड़निया, शताब्दी महोत्सव के राजेन्द्र कटारिया, अनिल सेठी, संजय पपडीवाल व सलूम्बर, धरियावद, निवाई, सीकर, जोबनेर सहित 72 गाँवो के पंच सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रात्रि में मंगल आरती व प्रसिद्ध संगीतकार रूपेश जैन ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। **सातगौंडा से शांतिसागर तक:** आचार्य श्री शांतिसागर का जन्म 23 जुलाई 1872 को येलगुल जिला बेलगांव कर्नाटक, पिता भीमगोडा पाटिल नाता सत्यवती पाटिल ऐलक दीक्षा 1919 मुनि दीक्षा 1920 आचार्य पद 1924 में समडोली कर्नाटक दक्षिण से उत्तर भारत मे विहार कर विषम परिस्थितियों में जैन श्रमण संस्कृति, जीर्ण शीर्ण होती जिनवाणी व तीर्थों का संरक्षण किया। 36 वर्ष के मुनिचर्या काल में 9938 उपवास, करीब 27 वर्ष तक अन्न जल नहीं लिया। मुनिचर्या का स्वतंत्र पैदल विहार का पूरे भारत वर्ष मे मार्ग प्रशस्त किया। आचार्यश्री ने कुल 88 दीक्षाएं प्रदान की थी। समकालीन मुनियों को आगम का ज्ञान करवाया। आचार्य श्री शांतिसागर ने कुंथलगिरी महाराष्ट्र में 36 दिन की सल्लेखना लेकर समाधि हुई। आचार्य श्री शांतिसागर बाल ब्रह्मचारी अक्षुण्ण पट्ट परम्परा के पहले आचार्य श्री वीरसागर जी ,दूसरे आचार्य श्री शिवसागर जी,तीसरे आचार्य श्री धर्मसागर जी,चौथे आचार्य श्री अजितसागरजी व पांचवे वर्तमान में आचार्य श्री वर्धमानसागर जी द्वारा ससंघ को चला रहे हैं। **-डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर**

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

नन्दीश्वर द्वीप महानः मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जयपुर में आयोजन

52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों की आठ दिवसीय आराधना, नन्दीश्वर द्वीप महामण्ड़ल विधान में जयकारों के साथ चढ़ाये 864 अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में धरती पर जैन धर्म के सबसे बडे पूजा विधान के रूप में आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान का जयपुर में पहली बार हो रहा है। मानसरोवर के सेक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर 52 जिनालयों की स्थापना की जाकर 5616 जिनबिम्बों की एक साथ एक स्थान पर आठ दिवसीय संगीतमय आराधना के इस आयोजन में सोमवार को 864 अर्घ्य चढाये गये। इस मौके पर कई विशिष्टजनो ने मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि आयोजन के लिए आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के सानिध्य में कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 5616 जिन बिम्बों को सतना से जयपुर लाया गया है। अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा रचित इस महामह विधान में सोमवार को प्रातः 6.15 बजे से सोधर्म इंद्र शीतल, अनमोल कटारिया परिवार के नेतृत्व में जयकारों के बीच श्री जी के अभिषेक किये गये। तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति, समृद्धि और अमन चैन की कामना करते हुए भगवान कुंथुनाथ, भगवान अरहनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से नित्य नियम पूजा की गई। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप विधान प्रारंभ हुआ। जिसमें पूर्व दिशा के रतिकर पर्वतों पर स्थित आठ जिनालयों के मंत्रोच्चार के साथ 864 अर्घ चढाये गये । आयोजन से जुड़े हुए

विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि एक जिनालय में 108 जिनबिम्ब विराजमान हैं। इस तरह से 52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों के अर्घ्य आठ दिनों में चढाये जाएंगे। पूजा के दौरान जैन भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किये। इस मौके पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन में नन्दीश्वर द्वीप महामह विधान का महत्व समझाते हुए कहा कि । उन्होंने जैन श्रद्धालुओं से कहा कि इस महामह विधान में सारे विधान एवं चारों अनुयोग सहित कई पूजाऐं समाहित होने से नन्दीश्वर द्वीप महामह विधान की अलग ही महिमा है। इस मौके पर सिविल लाइन्स के विधायक गोपाल शर्मा एवं आर के ग्रुप किशनगढ़ के सुरेश पाटनी - शांता पाटनी ने मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर सभी अतिथियों ने नन्दीश्वर द्वीप के 5616 जिनबिम्बों के दर्शन लाभ प्राप्त किए। समिति की ओर सुनील बैनाडा, तेज करण चौधरी, लोकेन्द्र जैन, मनोज जैन, जम्बू सोगानी, अशोक सेठी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। पूजा विधान में जयपुर सहित पूरे देश से सैकड़ो से श्रद्धालु शामिल हुए। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक

मंगलवार को प्रातः 6.15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा होगी। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप महामह पूजा विधान प्रारंभ होगा जिसमें दक्षिण दिशा के दधिमुख पर्वतों पर स्थित 5 जिनालयों के 540 अर्घ्य चढाये जाएगें। पूजा विधान के दौरान प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि रविवार, 13 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान में बैठने के लिए जयपुर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों से आने जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। पूजा विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियो के लिए कार्यक्रम समापन पर शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है। **-विनोद जैन कोटखावदा**

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा डांडिया नाइट और फैशन शो का सफल आयोजन, देर रात्रि तक हजारों लोगों ने उठाया आनंद

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने 13 अक्टूबर को डांडिया नाइट और फैशन शो का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम अत्यधिक सफलता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में रोटरी क्लब नॉर्थ के साथ 60 से अधिक अन्य संस्थाओं ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में 5000 से अधिक लोगों की उपस्थिति ने इसे एक ऐतिहासिक आयोजन बना दिया। डांडिया की रंगारंग प्रस्तुतियों और फैशन शो ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विविधता ने इसे एक यादगार शाम बना दिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन - श्रीमती अनीता जैन के नेतृत्व में क्लब के सभी सदस्यों और कार्यकारिणी टीम ने इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित की। विशेष रूप से, रोटेरियन तरुण जैन, विनायक शर्मा, महेश मंगल, हार्दिक जैन, प्रगीत जैन, अनिल मुंडोत, प्रमोद जैन, तनुज जैन, ऋषि जैन, अंकित खंडेलवाल, प्रतीक जैन, पीयूष जैन, श्रीमती दीपशिखा जैन और श्रीमती सुनीता जैन ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि श्री जे.डी. माहेश्वरी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। टीवी अभिनेता नवीन शर्मा और मिसेज राजस्थान जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया।

अतिथियों ने अपने विचार साझा करते हुए रोटरी क्लब के प्रयासों की सराहना की और सभी का उत्साह बढ़ाया। फैशन शो की कोऑर्डिनेटर सोनल जैन, प्रीती जैन और प्रिया जैन ने कार्यक्रम को बेहतरीन तरीके से आयोजित किया, जिसने इसे और भी विशेष बना दिया। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन अंकित खंडेलवाल और आरजे रोहित ने प्रभावशाली तरीके से किया, जिनकी ऊर्जा और प्रस्तुति ने पूरे माहौल को जीवंत बनाए रखा। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने इस सफल आयोजन के पीछे अपने सभी प्रायोजकों का आभार प्रकट किया, जिनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। क्लब ने विशेष रूप से मनोज सोगानी, अरिहंत केटरर्स, कान्हा की टीम, और कसेरा टेंट हाउस के महाबीर जैन का धन्यवाद किया, जिन्होंने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं से इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन ने अपने वक्तव्य में कहा, यह आयोजन हमारी सभी अपेक्षाओं से बढ़कर सफल रहा और यह हमारे क्लब और शहर के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था। हम भविष्य में भी इसी प्रकार के सफल कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। इसके साथ ही, रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने सभी क्लबों और संस्थाओं के अध्यक्षों और उनके सदस्यों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। क्लब ने उनके योगदान के लिए सभी का आभार प्रकट किया और भविष्य में भी ऐसे सहयोग की आशा जताई।

जैन धर्म के सिद्धांतों से उत्कृष्ट चारित्रिक गुणों का विकास

डॉ इन्द्र कुमार जैन
पूर्व उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग, राजस्थानअध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप,सम्यकसचिव, अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था

आये दिन मीडिया में हत्या चोरी बलात्कार लूट रिश्वत मोब लिंचिंग धार्मिक असहिष्णुता और न जाने कितने ही आपराधिक गक्तिविधियों के समाचार पढ़ने और सुनने को मिलते हैं । यदि दैनिक जीवन मे जैन धर्म के सिद्धांतों व निर्देशों का आंशिक रूप से भी चिंतन मनन या पालन करते हैं तो व्यक्ति में उत्कृष्ट चारित्रिक। गुणों का विकास संभव है जिससे समाज मे होने वाले अपराधों में भी कमी हो सकती है।

पांच पाप त्याग

हिंसा, झूंठ, चोरी, कुशील और परिग्रह ये जिनागम में पांच पाप कहे गए हैं ।हिंसा का स्थूल या आंशिक त्याग से व्यक्ति में प्राणी मात्र के वध के त्याग का उत्तम गुण विकसित होता है । अहिंसा के पालन से मन मे किसी छोटे से छोटे जीव की रक्षा का भाव उत्पन्न होता है । मानव हत्या या मोब लिंचिंग या क्रूरता के विचार से तो स्वतः ही विरत हो जाता है दया, क्षमा सहिष्णुता आदि उत्तम गुणों का विकास होता है । बात बात में झूठ बोलना, निंदा करना अप्रिय व कठोर वचन बोलना कई विवादों और आपसी मनमुटाव का कारण होता है सत्य व मृदु भाषण से व्यक्ति सब का प्रिय हो जाता है तथा स्वयं में भी अद्भुत आत्म विश्वास जागृत होता है जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्रदान करता है ।चोरी एक ऐसा दुर्गुण है जो न केवल समाज मे अप्रतिष्ठित करता है बल्कि पकडे जाने पर राजकीय दंड का भागी बनना पड़ता है ।जैन सिद्धांतानुसार किसी की रखी हुई भूली हुई वस्तु बिना दिए लेना, चोरी करना, चोरी का सामान लेना या किसी को देना, नकली सामान बेचना, मिलावट करना कम या ज्यादा तोलना ये सब त्याज्य हैं । अस्तेय का चिंतन ही व्यक्ति को इन अवगुणों से दूर कर चरित्र की निर्मलता को विकसित करता है । अपनी पत्नी के अतिरिक्त सभी को मां, बहिन व बेटी मानना तथा अपने पति के अलावा सभी पुरुषों को पिता, भाई व पुत्र के समान मानना कुशील का त्याग कहलाता है । ब्रह्मचर्य का चिंतन मन मे आते ही अपने पति या पत्नी से अतिरिक्त सभी के लिए सम्मान की भावना प्रगट होती है। अनंग कामक्रीड़ा, तीव्र कामभिलाशा व वैश्या गमन जैसे विचार कभी मन मे नही आएंगे। परिणाम स्वककरूप बलात्कार, छेड़खानी व वैश्यावृत्ति जैसे अपराधों की संख्या नगण्य हो जाएंगी। अत्यधिक संचय और संग्रह की लालसा में व्यक्ति कई उल्टे सीधे धंधे करता है, ममत्व भाव के कारण कई बार गलत निर्णय लेने के लिए बाध्य हो जाता है । अपनी आवश्यकताओं , जरूरतों को सीमित कर व्यक्ति अपने अंदर एक आत्मिक संतोष सुख का अनुभव करता है परस्पर सहयोग एवं त्याग भावना से उसका चरित्र उत्कृष्ट होता है ।

दस धर्म आचरण

उत्तम क्षमा-क्रोध नही करना क्षमाशील होना, मार्दव- घमंड नही करना सरल होना, आर्जव-मायाचारी नही होना, सत्य-हित मित प्रिय सत्य वचन बोलना, शौच-लोभ नही करना, संयम-इंद्रियों को वश में रखना, तप-आंतरिक और बाह्य तप के द्वारा अपने तन को सहनशील और पवित्र बनाना कर्मो की निर्झरा करना, त्याग-चार प्रकार के त्याग से आत्मा का कल्याण करना, आकिंचन-चोबीस प्रकार के परिग्रहों का त्याग, और ब्रह्मचर्य इन दस धर्मों के पालन से किसी भी व्यक्ति का चरित्र उत्कृष्ट हो जाता है तन से स्वर्ण सम आभा प्रस्फुटित होती है। भीड़ में भी मुखमंडल आभामय होने से अलग ही दृष्टिगोचर होता है।

सप्त व्यसन त्याग

शराब पीना, जुआं खेलना, मांस भक्षण, मदिरा पान, चोरी करना, पर स्त्री गमन व वैश्या गमन ये सात ऐसे व्यसन हैं जो व्यक्ति की घर व समाज मे प्रतिष्ठा को गिराते हैं, आर्थिक रूप से कमजोर करते हैं तथा उसका स्वयं का आत्म विश्वास भी समाप्त करते हैं ।इनके त्याग से उत्तम चारित्रिक गुणों का विकास होने से उस व्यक्ति की हर जगह प्रशंसा होती है । घर व समाज मे सम्मान पाता है साथ ही आर्थिक संपन्नता भी प्राप्त होती है ।

अष्ट मद त्याग

जैन धर्म मे ज्ञान, पूजा, कुल, जाति, बल, रिद्धि, तप और शरीर ये आठ प्रकार के मद कहे गए हैं ।इन आठों में श्रेष्ठ व उत्तम होने पर भी व्यक्ति इन का घमंड न करे और सरल रहे तो उस व्यक्ति में विनय, सहजता, शौच,क्षान्ति आदि उत्तम चारित्रिक गुणों का विकास होता है।

पंद्रह प्रमाद त्याग

पांच इन्द्रिय विषय, चार कषाय, चार विकथा, निद्रा और प्रणय इन विषयों में सदैव सावधान रहना चाहिए लापरवाही व अविविवेक पूर्ण कार्य व्यक्ति के चरित्र को उन्नति में बाधक है। पांचों इंद्रियों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए क्योंकि इंद्रियों का असंयम पतन का मार्ग है और संयम से उत्थान संभव है। चारों कषायों क्रोध, मान, माया, लोभ का त्याग व्यक्ति को श्रेष्ठता प्रदान करता है।राज, चोर, स्त्री और भोजन इन चारों की विकथा अर्थात विपरीत कथा का त्याग करना चाहिए क्योंकि ये पथ भ्रष्टक होती हैं। निद्रा व प्रणय का समीचित व नियंत्रित सेवन व्यक्ति के चरित्र को उत्तम बनाता है।हमारे समाज की युवा पीढ़ी नव युवक व नव युवतियां भौतिक चकाचौंध से आकृष्ट होकर बहुत शीघ्र भटक जाती हैं नशे की आदी हो जाती है कई दुर्व्यसनों की शिकार हो जाती है इससे न केवल उनके विद्या अध्ययन और कैरियर पर दुष्प्रभाव पड़ता है बल्कि वे अपना आत्म विश्वास खोकर अवसाद के शिकार हो जाते हैं ।यदि जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों को मनन कर चिंतन कर दैनिक जीवन मे आंशिक रूप से धारण कर तदनुसार आचरण करते है जो पढ़ाई में, कैरियर में या व्यवसाय में सभी क्षेत्रों में अपार सफलता प्राप्त करते है और सब का स्नेह व सम्मान प्राप्त करते हैं ।यह सत्य है कि सभी के लिए साधु बनना संभव नही है किंतु हम उनके आचरणों का अंश मात्र भी हमारे जीवन मे आचरण करने की भावना रखते हैं तो हमारा जन्म कृतार्थ हो जाता है ।

शरद पूर्णिमा श्रुतज्ञान महोत्सव पर अयोध्या में राष्ट्रीय युवा परिषद अधिवेशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान ऋषभदेव आदि पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि शाश्वत तीर्थ अयोध्या बड़ी मूर्ति जैन मंदिर परिसर में भारत गौरव गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के 73 वें संयम दिवस एवं 91 वें जन्म जयंती पर आयोजित शरद पूर्णिमा श्रुत ज्ञान महोत्सव के शुभ अवसर पर अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 अक्टूबर 2024 को 7:30 बजे से परम पूज्य आर्यिका शिरोमणि गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में, प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका रत्न श्री चंदनामती माताजी के मार्गदर्शन में एवं युवा परिषद के परामर्श प्रमुख पीठाधीश स्वस्ति श्री रवीद्र कीर्ति स्वामी जी के निर्देशन में आयोजित किया गया है। युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि उक्त अधिवेशन की अध्यक्षता युवा परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जीवन प्रकाश जैन जम्बूद्वीप, हस्तिनापुर करेंगे। 17

अक्टूबर को शरद पूर्णिमा श्रुतज्ञान महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। युवा परिषद् के मुख्य संयोजक प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन हस्तिनापुर ने बताया कि महोत्सव के विभिन्न आयोजन श्री दिगंबर जैन अयोध्या तीर्थ क्षेत्र कमेटी करेगी। उक्त महोत्सव में विभिन्न पुरस्कार यथा ज्ञानमती पुरस्कार , जम्बूद्वीप पुरस्कार, रत्नमती पुरस्कार , युवा रत्न पुरस्कार आदि त्रिलोक शोध संस्थान जम्बूद्वीप हस्तिनापुर व अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद द्वारा एवं चंद्रानी जैन स्मृति पुरस्कार विद्वत महासंघ द्वारा समर्पण किए जाएंगे। युवा परिषद् के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री व

राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष दिलीप जैन जयपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष धनपाल जैन उदयपुर, उत्तर प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष आदीश जैन व प्रांतीय महामंत्री रितेश जैन लखनऊ, दिल्ली से राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष बिजेंद्र जैन व प्रदेश अध्यक्ष सुनंदा जैन, मध्यप्रदेश से पं. सत्येन्द्र जैन कटनी व अर्पित जैन इन्दौर, बुंदेलखंड अशोक क्रान्तिकारी व प्रदेश अध्यक्ष अंकित जैन, महाराष्ट्र से रितेश जैन व रोशन जैन मुंबई व अभिषेक जैन कोल्हापुर, के साथ सैकड़ों की संख्या में युवा पहुंचेंगे। उक्त महोत्सव में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब ,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात आदि विभिन्न प्रांतो से समाज श्रेष्ठी, विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं युवा पदाधिकारी व सदस्य पहुंचेंगे।